

CBSE Class 12 Hindi Core 2019 - 2/1/2 - Annual



Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

1(क). गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

1(ख). बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ?

1(ग). महात्मा गांधी के लिए सामाजिक सुधारों के लिए संघर्ष क्यों महत्वपूर्ण था ?

1(घ). गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी और क्यों ?

1(ङ). कौन लोग धर्म को नहीं जानते ? उनके प्रति गांधीजी ने ऐसी धारणा क्यों बनाई ?

1(च). गांधीजी के विचार से स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए ?

1(छ). गद्यांश के आधार पर लिखिए कि स्वाधीनता की व्यापक पहचान क्या होनी चाहिए ? क्यों ?

OR

2-a(क). कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है ?

2-a(ख). छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का क्या महत्त्व माना है ?

2-a(ग). उच्च शिखर की ओर बढ़ते हुए हिम समाधि लेने का भावार्थ क्या है ?

2-a(घ). समाज किन लोगों को भी भुला देता है ?

2-b(क). गरीबों के प्रति कुटिल व्यंग्य क्या है ?

2-b(ख). निर्धन की त्रासदी क्या है ?

2-b(ग). शासक वर्ग को 'दिल्ली के देवता' क्यों कहा गया है ?

2-b(घ). कवि क्या चेतावनी दे रहा है ?

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए :
(क) लोकतंत्र में चुनावों का महत्त्व। (ख) विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ। (ग) भारत की सांस्कृतिक विशेषताएँ। (घ) भारतीय समाज में नारी।

OR

4-a. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय सेना के जवानों द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्णन करते हुए सेना की भूमिका रेखांकित कीजिए।

4-b. छात्र-परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के सामने अवस्थित पार्क की सफाई और देखभाल की ज़िम्मेदारी लेने का प्रस्ताव रखिए।

5(क). पीत पत्रकारिता से क्या तात्पर्य है ?

5(ख). मुद्रित माध्यम की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

5(ग). संपादक के दो प्रमुख दायित्वों का उल्लेख कीजिए।

5(घ). खोजी पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?

5(ङ). इंटरनेट की बढ़ती लोकप्रियता के दो कारण लिखिए।

OR

6-a. 'बदल रही है सरकारी विद्यालयों की छवि' विषय पर एक आलेख लिखिए।

6-b. हाल ही में पढ़ी गई किसी पाक-विधि की पुस्तक की समीक्षा लिखिए।

OR

7-a. 'विद्यालय स्वच्छता अभियान' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए।

7-b. आपकी बस्ती के निकट लगने वाले साप्ताहिक बाजार को विषय बनाकर एक फीचर तैयार कीजिए।

OR

8-a(क). प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर। आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस।। हरषि राम भेटेउ हनुमान। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना।। तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई।। हृदयँ लाइ प्रभु भेटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।। कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा।।

हनुमान के आगमन को करुण रस के बीच वीर रस की उत्पत्ति क्यों कहा गया है ?

8-a(ख). प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर। आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस।। हरषि राम भेटेउ हनुमान। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना।। तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई।। हृदयँ लाइ प्रभु भेटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।। कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा।।

'अति कृतज्ञ' कौन हुआ और क्यों ?

8-a(ग). प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर। आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस।। हरषि राम भेटेउ हनुमान। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना।। तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई।। हृदयँ लाइ प्रभु भेटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।। कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा।।

इन पंक्तियों में वर्णित भाइयों के प्रेम-भाव की आज के जीवन में प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए।

8-b(क). कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने कविता का खिलना भला फूल क्या जानें ! बाहर भीतर इस घर उस घर बिना मुरझाए महकने के माने फूल क्या जानें ? कविता एक खेल है बच्चों के बहाने बाहर भीतर यह घर, वह घर सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने।

भाव स्पष्ट कीजिए : सब घर एक कर देने के माने / बच्चा ही जाने।

8-b(ख). कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने कविता का खिलना भला फूल क्या जानें ! बाहर भीतर इस घर उस घर बिना मुरझाए महकने के माने फूल क्या जानें ? कविता एक खेल है बच्चों के बहाने बाहर भीतर यह घर, वह घर सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने।

कविता को बच्चों के समानांतर क्यों रखा गया है ?

8-b(ग). कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने कविता का खिलना भला फूल क्या जानें ! बाहर भीतर इस घर उस घर बिना मुरझाए महकने के माने फूल क्या जानें ? कविता एक खेल है बच्चों के बहाने बाहर भीतर यह घर, वह घर सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने।

कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या साम्य-वैषम्य है ?

OR

9-a(क). बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे घुल गई हो स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

9-a(ख). बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे घुल गई हो स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

9-b(क). मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ, शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ, हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर मैं वह खँडहर का भाग लिए फिरता हूँ।

काव्यांश के अलंकार सौंदर्य का उद्धाटन कीजिए।

9-b(ख). मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ, शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ, हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर मैं वह खँडहर का भाग लिए फिरता हूँ।

काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

10(क). "आत्मपरिचय" में कवि एक ओर 'जग जीवन का भार लिए' फिरने की बात करता है और दूसरी ओर 'मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ' – इन दो विपरीत कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए।

10(ख). 'पतंग' कविता के आधार पर सबसे तेज बौछारें चली जाने के बाद शरद के सौंदर्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

10(ग). 'भाषा को सहूलियत से बरतने' से कुँवर नारायण का क्या तात्पर्य है ?

10(घ). मुक्तिबोध सब कुछ सहर्ष स्वीकारते हैं किंतु यह भी कहते हैं, 'बहलाती सहलाती आत्मीयता बर्दाश्त नहीं होती है' – ऐसा क्यों है ? स्पष्ट कीजिए।

10(ङ). "माँगि के खैबो, मसीत को सोइबो" – तुलसी के इस कथन के मर्म पर अपने विचार लिखिए।

OR

11-a(क). एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक। कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है।

लेखक ने शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?

11-a(ख). एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक। कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है।
लेखक यह क्यों मानता है कि अनासक्त हृदय से ही मेघदूत जैसा श्रेष्ठ काव्य उपज सकता है ?

11-a(ग). एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक। कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है।
वर्तमान के संघर्षपूर्ण जीवन में शिरीष के माध्यम से लेखक क्या संकेत देना चाह रहा है ?

11-b(क). भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है। लेखिका को अपने और भक्तिन के बीच सेवक-स्वामी का संबंध होने में संदेह क्यों है ?

11-b(ख). भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है। लेखिका ने भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों माना है ?

11-b(ग). भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है। लेखिका और भक्तिन के परस्पर संबंधों की दो विशेषताएँ लिखिए।

12(क). पाठ के आधार पर चार्ली चैपलिन के बचपन की उन दो घटनाओं को संक्षेप में लिखिए जिन्होंने चैपलिन पर गहरा प्रभाव डाला था।

12(ख). टिप्पणी कीजिए – "बाज़ार में एक जादू है।"

12(ग). 'काले मेघा पानी दे' लेख के इस कथन पर अपने विचार लिखिए – "हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बढ़ी हैं, पर त्याग का कहीं नाम नहीं है।"

12(घ). 'नमक' कहानी का उद्देश्य क्या है ?

OR

13-a. बार-बार 'सम हाउ इंप्रापर' कहना यशोधर बाबू के व्यक्तित्व के किन पहलुओं को उजागर करता है ? 'इंप्रापर' को वे अंततः स्वीकार क्यों कर लेते हैं ?

13-b. मुअनजो-दड़ो के अजायबघर में प्रदर्शित सामान की विशेषताएँ लिखिए। इनसे तत्कालीन राजतंत्र के बारे में लेखक ने क्या निष्कर्ष निकाला और वह इस निर्णय पर कैसे पहुँचा ?

14(क). 'सिन्धु की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी', इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों ?

14(ख). 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर महिलाओं की तत्कालीन स्थिति का उल्लेख करते हुए बताइए कि आज के समय में क्या बदलाव आ रहे हैं ?

14(ग). 'जूझ' पाठ के पात्र दत्ताजी राव देसाई ने लेखक के जीवन को कैसे प्रभावित किया ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

14(घ). यशोधर बाबू ने किशन दा से किन जीवन मूल्यों को पाया था ? उनका उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके लिए भी वे उपयोगी हो सकते हैं तो कैसे ?

- End of Question Paper -